



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 129]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 14, 2000/ज्येष्ठ 24, 1922

No. 129]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 14, 2000/JYAISTHA 24, 1922

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 14 जून, 2000

अंतिम जांच परिणाम

विषय: चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित डैड बर्न्ट मैगनीसाइट (डी बी एम) के आयात से संबंधित पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा-अंतिम जांच परिणाम ।

सं. 7/2/94 ए डी डी—वर्ष 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियम, 1995 को ध्यान में रखते हुए :

क. प्रक्रिया

नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है:

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे प्राधिकारी कहा गया है) द्वारा दिनांक 30 जून, 1999 की अधिसूचना सं० 7/2/94/ ए डी डी के द्वारा एक सार्वजनिक सूचना जारी की गई थी, जो दिनांक 12 नवम्बर 1996 की अधिसूचना सं० 7/2/94-ए डी डी के द्वारा चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित डैड बर्न्ट मैगनीसाइट के आयातों पर सिफारिश किए गए निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा शुरू करने से संबंधित थी;
- (ii) प्राधिकारी द्वारा दिनांक 12 नवम्बर, 1996 की अधिसूचना सं० 197 के द्वारा पूरी की गई जांचों को "पूर्व जांच" कहा गया है;
- (iii) प्राधिकारी द्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित दिनांक 30 जून, 1999 की सार्वजनिक सूचना जारी की गई जो चीन जनवादी गणराज्य (जिसे आगे संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित डैड बर्न्ट मैगनीसाइट जो सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975

की अनुसूची-1 के शीर्ष 2519.90 और आई टी सी (वस्तु-विवरण और कोडिंग पर आधारित) की सं० 2519.90.04 के तहत वर्गीकृत है, के आयातों से संबंधित पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा शुरू करने से संबंधित थी;

(iv) प्राधिकारी द्वारा सभी ज्ञात निर्यातकों तथा उद्योग संघों (जिनके ब्यौरे याचिकाकर्ता द्वारा पूर्व जांचों में उपलब्ध कराए गए थे) को सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भेजी गई और नियम 6(2) के अनुसार उन्हें यह अवसर दिया गया कि वे अपने विचारों से लिखित रूप में अवगत कराएं;

(v) प्राधिकारी द्वारा भारत में डैड बर्न्ट मैगनीसाईट के सभी ज्ञात आयातकों तथा उपभोक्ताओं (जिनके ब्यौरे मैगनीसाईट एसोसिएशन आफ इंडिया द्वारा पूर्व जांचों में उपलब्ध कराए गए थे) को सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भेजी गई और उन्हें यह सलाह दी गई कि वे पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से लिखित रूप में अवगत कराएं;

(vi) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमाशुल्क बोर्ड (सी बी ई सी) से यह अनुरोध किया गया कि वे भारत में किए गए डैड बर्न्ट मैगनीसाईट के आयातों के ब्यौरे उपलब्ध कराएं ;

(vii) नियम 6(4) के अनुसार, प्राधिकारी द्वारा चीन जनवादी गणराज्य के सभी ज्ञात निर्यातकों, जैसा कि नीचे बताया गया है, को प्रश्नावली भेजी गई ताकि उनसे संबद्ध सूचनाएं प्राप्त की जा सकें।

मै० चाइना नेशनल मेटल्स एंड मिनरल्स, चीन
मै० झूहाल मेटल्स एंड मिनरल्स कं. लि०, चीन
मै० चाइना मेटालर्जिकल इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कार्पो., चीन
मै० दालियान मेटल्स एंड मिनरल्स, चीन
मै० ओटावी ओटावी मिनन एक्ट, चीन
मै० सीमा रीसोर्सिज गिब्ट, जर्मनी

(viii) नियम 6(2) के अनुसार, नई दिल्ली स्थित चीन जनवादी गणराज्य के दूतावास को समीक्षा शुरू करने के बारे में इस अनुरोध के साथ सूचित किया गया था कि वे अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को उक्त प्रश्नावली का जबाब निर्धारित समय के भीतर देने की सलाह दें। ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की सूची के साथ निर्यातकों को भेजे गए पत्र तथा प्रश्नावली की एक प्रति भी दूतावास को भेजी गई थी। तथापि, किसी भी निर्यातक/उत्पादक द्वारा प्रश्नावली का जबाब नहीं दिया गया;

(ix) नियम 6(4) के अनुसार, आवश्यक सूचना प्राप्त करने के लिए भारत में डैड बर्न्ट मैगनीसाईट के ज्ञात आयातकों तथा/अथवा उपभोक्ताओं को प्रश्नावली भेजी गई:

1. मै0 स्टील अथारिटी आफ इंडिया
2. मै0 भिलाई स्टील प्लांट, मध्य प्रदेश
3. मै0 राउरकेला स्टील प्लांट, उड़ीसा
4. मै0 विजाग स्टील प्लांट, आन्ध्र प्रदेश
5. मै0 टाटा आयरन एंड स्टील कं. लि0, बिहार
6. मै0 इंडियन आयरन एंड स्टील कं.लि0, पश्चिम बंगाल
7. मै0 स्टील अथारिटी आफ इंडिया, पश्चिम बंगाल
8. मै0 भारत शीफ्रैक्ट्रीज लि0, बिहार
9. मै0 बर्न स्टैंडर्ड कं. लि0, कलकत्ता
10. मै0 उड़ीसा सीमेंट लि0, उड़ीसा
11. मै0 उड़ीसा इंडस्ट्रीज लि0, उड़ीसा
12. मै0 टाटा शीफ्रैक्ट्रीज लि0, सालेम
13. मै0 मराठवाडा शीफ्रैक्ट्रीज लि0, औरंगाबाद
14. मै0 वेली शीफ्रैक्ट्रीज लि0, धनबाद
15. मै0 इंडिया शीफ्रैक्ट्रीज मशीन्स एसोसिएशन, कलकत्ता

तथापि डैड बर्नट मैगनीसाइट के निम्नलिखित आयातकों द्वारा जबाब दिया गया:-

- मै0 टाटा शीफ्रैक्ट्रीज लि0, सालेम
- मै0 इंडियन शीफ्रैक्ट्रीज मशीन्स एसोसिएशन, कलकत्ता
- मै0 उड़ीसा सीमेंट लि0, उड़ीसा
- मै0 उड़ीसा इंडस्ट्रीज लि0, उड़ीसा
- मै0 भारत शीफ्रैक्ट्रीज लि0, बिहार
- मै0 बर्न स्टैंडर्ड कं. लि0, कलकत्ता

(x) आवश्यक सूचना प्राप्त करने के लिए मैगनीसाइट एसोसिएशन ऑफ इंडिया को प्रश्नावली भेजी गई थी। मैगनीसाइट एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा प्रश्नावली का जबाब दिया गया।

(xi) प्राधिकारी ने 7.10.99 को मौखिक विचार सुनने के लिए सार्वजनिक सुनवाई की थी जिसमें मैगनीसाइट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (घरेलू उद्योग) मै0 ओ सी एल इंडिया लि0, मै0 बर्न स्टैंडर्ड कं. लि0, मै0 भारत शीफ्रैक्ट्रीज लि0 और इंडियन शीफ्रैक्ट्रीज मेकर्स एसोसिएशन (आयातक) ने भाग लिया। सार्वजनिक सुनवाई में उपस्थित पक्षों से मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों को लिखित में प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था।

(xii) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय रूपान्तरण को रखी गई सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध किया और उसे किसी भी हितबद्ध पक्ष द्वारा निरीक्षण के लिए खुला रखा।

- (xii) जांच 1 अप्रैल, 1998 से 31 मार्च 1999 की अवधि के लिए की गई थी ।
- (xiiv) उपरोक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसार, इन निष्कर्षों के लिए जिन आवश्यक तथ्यों/आधारों पर विचार किया था उन्हें सभी ज्ञात हितबद्ध पक्षों की जानकारी में लाया गया था और उन पर प्राप्त टिप्पणियों, यदि कोई हों, पर भी इन निष्कर्षों में विधिवत् विचार किया गया है ।

(ख) घरेलू उद्योग (मैग्नेसाइट एसोसिएशन ऑफ इंडिया) के विचार

2. घरेलू उद्योग मैग्नेसाइट एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने निम्नलिखित अनुरोध किया है:-

- (i) चीन को उत्पादन लागत के बारे में भारत की तुलना में कोई प्राकृतिक तुलनात्मक लाभ नहीं है । क्योंकि भारतीय मूल के संदर्भित ग्रेड के डैड बर्न्ट मैग्नेसाइट और चीन मूल के डैड बर्न्ट मैग्नेसाइट समान वस्तुएं हैं और चूंकि दोनों देशों के लागत कारक कमोबेश एक-दूसरे के बराबर हैं इसलिए न्यायोचित ढंग से सूचित किया जा सकता है कि चीन में संदर्भित डैड बर्न्ट मैग्नेसाइट की उत्पादन लागत भारत में आने वाली लागत से कम नहीं है।
- (ii) चीन में कैल्सिनिंग के पौधे चीनी समुद्री पत्तनों से 400-1000 किलोमीटर दूर है । इसलिए चीनी एफ ओ बी निर्यात कीमत के लिए स्वदेशी परिवहन लागत एक प्रमुख लागत मद बन जाती है ।
- (iii) डैड बर्न्ट मैग्नेसाइट के संदर्भित ग्रेड अर्थात् 92 % तक एम जी ओ के अलावा, दो अन्य उत्पादों का भी पाटन किया जा रहा है:-

- 93 % और 94 % तक एम जी ओ डैड बर्न्ट मैग्नेसाइट और
- ब्रिक ग्रोम एम जी ओ 90-92 %

डैड बर्न्ट मैग्नेसाइट एम जी ओ 93 % और 94 % पर कोई पाटन शुल्क नहीं लगाया गया था । शुल्क इत्यादि को मिलाकर इस ग्रेड की पहुँच कीमत डैड बर्न्ट मैग्नेसाइट के संदर्भित ग्रेड से सस्ती है ।

डैड बर्न्ट मैग्नेसाइट के संदर्भित ग्रेड और आयातित डैड बर्न्ट मैग्नेसाइट संदर्भित ग्रेड तथा 94 % एम जी ओ की बिक्री कीमत की तुलना करने पर यह समझा जा सकता है कि 92 % एम जी ओ बैंच मार्क के दोनों ओर मामूली अंतर वाली गुणवत्ताओं को परस्पर एक-दूसरे के स्थान पर प्रयोग किए जाने की काफी गुंजाइश है । घरेलू उद्योग इस स्थिति के बारे में गंभीर रूप से चिंतित है । घरेलू उद्योग जो 92 % एम जी ओ गुणवत्ता तक डैड बर्न्ट मैग्नेसाइट और इससे थोड़ा अधिक गुणवत्ता वाले डैड बर्न्ट मैग्नेसाइट का उत्पादन करता है, के हित को देखते हुए और 94 % एम जी ओ तक की आयातित गुणवत्ता वाले डैड बर्न्ट मैग्नेसाइट के स्थान पर ऐसे स्वदेश में उत्पादित सामान के सापेक्ष प्रयोग पर विचार करते हुए यह उल्लेख किया जाता है कि घरेलू उद्योग को उचित मात्रा में संरक्षण प्रदान करने के लिए चीन से डैड बर्न्ट मैग्नेसाइट के आयातों पर अंतिम

पाटन शुल्क लगाने में बैंच मार्क 92 % से बढ़ाकर 94 % एम जी ओ क्वालिटी तक कर दिया जाए ।

- (iv) पाटनरोधी शुल्क लगाने से बचने के लिए चीनी निर्यातकों ने एक नया नाम अर्थात् मैग्नेशिया ब्रिक ग्रेड शुरू किया है । यह उत्पाद भी संदर्भित ग्रेड के डैड बर्न्ट मैग्नेसाइट के समान अथवा थोड़ा से उत्तम किस्म का है और इसका उपयोग मुक्त रूप से स्वदेशी संदर्भित डैड बर्न्ट मैग्नेसाइट के स्थान पर किया जा सकता है । इसे ब्रिक ग्रेड के रूप में घोषित करने पर (डैड बर्न्ट मैग्नेसाइट पर 40 % सीमाशुल्क की तुलना में) इस पर प्रथमतः 25 % सीमाशुल्क की निम्न दर लागू होती है और दूसरे इस पर पाटनरोधी शुल्क नहीं लगता है ।
- (v) डैड बर्न्ट मैग्नेसाइट की उत्पादन लागत के प्रमुख संघटक कारकों में हैं कच्ची सामग्री लागत, ऊर्जा, ईंधन लागत, वेतन एवं मजदूरी, पूँजी की लागत और खनिज आदि पर रॉयल्टी । मौलिक रूप से ये अधिकांश मर्दें संचालित कीमतों के रूप में हैं जिनका संचालन राज्य/केन्द्र सरकार द्वारा किया जाता है जिस पर डैड बर्न्ट मैग्नेसाइट के उत्पादकों का कोई नियंत्रण नहीं है । उपरोक्त कारकों में वृद्धि के रूख से भारत में इसके उत्पादन लागत में पर्याप्त वृद्धि हुई है । आयातित डैड बर्न्ट मैग्नेसाइट की एफ ओ बी कीमतें खासकर पिछले तीन वर्षों से 105 से 110 अमरीकी डालर प्रति टन के आस-पास ही रही है जबकि चीन में डैड बर्न्ट मैग्नेसाइट की उत्पादन-लागत भारत की तरह काफी बढ़ी होगी ।
- (vi) चीन में संबद्ध माल की उत्पादन लागत के बारे में जानकारी उपलब्ध नहीं है । यदि इसकी जानकारी उपलब्ध भी होती तो भी ये आंकड़े केवल रियायती लागत ही दर्शाते न कि मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था की सामान्य लागत ।

(ग) क्षति

- (i) घरेलू उद्योग का क्षमता-उपयोग वर्ष 1997-98 के 46.53 % और 1996-97 के 46.05% की तुलना में वर्ष 1998-99 में घटकर 45.58 % रह गया था;
- (ii) घरेलू उद्योग की जनशक्ति इन वर्षों में 7500 से पर्याप्त रूप से घटकर 4000 रह गई है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग को बेकारी की लागत के रूप में लगभग 75,000/-रूपये प्रति कामगार खर्च करना पड़ता है;
- (iii) घरेलू उद्योग को पिछले वर्ष की तुलना में काफी नुकसान हुआ है । घरेलू उद्योग की लाभप्रदता वर्ष 1997-98 की (-)385.27 लाख रूपए और 1996-97 की 170.61 लाख रूपए की लाभप्रदता की तुलना में वर्ष 1998-99 में घटकर (-)540.52 लाख रूपए रह गई है;
- (iv) संबद्ध सामग्री का बकाया स्टॉक वर्ष 1997-98 के 12204 मी टन से बढ़कर वित्त वर्ष 1998-99 में 14008 मी.टन हो गया है;
- (v) घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा वर्ष 1997-98 के 74.82 % और 1996-97 के 71.53% की तुलना में वर्ष 1998-99 में बढ़कर 97.25 % हो गया है;

(vi) संबद्ध सामग्री के कुल आयात वर्ष 1997-98 के दौरान 4001.19 मी.टन थे जो वर्ष 1998-99 के दौरान घटकर 2766.90 मी.टन रह गए हैं ।

(घ) निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

3. चीन जनवादी गणराज्य के किसी भी निर्यातक/आयातक ने प्राधिकारी को उत्तर नहीं भेजा है और न ही कोई टिप्पणी प्रस्तुत की है ।

उपरोक्त आयातकों/प्रयोक्ताओं ने प्राधिकारी को उत्तर दिया है और अपनी टिप्पियाँ प्रस्तुत की हैं :-

- (i) मैसर्स टाटा रिफ़ैक्टरीज लि० और मैसर्स उड़ीसा सीमेंट लि० ने दावा किया है कि उन्होंने जांच अवधि के दौरान संबद्ध सामग्री का आयात नहीं किया है ।
- (ii) विभिन्न भौतिक एवं रासायनिक गुणों और प्रयोग की कठिनाईयों के कारण घरेलू डैड बर्न्ट मैग्नेसाइट चीन जनवादी गणराज्य से आयातित डैड बर्न्ट मैग्नेसाइट के समान वस्तु नहीं है।
- (iii) घरेलू उद्योग में आई गिरावट का आकस्मिक कारक 1980 के मध्य से इस्पात उद्योग में तीव्र प्रौद्योगिकीय परिवर्तनों का आना और घरेलू उत्पादन का अलाभकारी पैमाना पाया गया है ।
- (iv) सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए भारत को एक सन्दर्भ देश के रूप में नहीं माना जा सकता है क्योंकि भारत और चीन में भंडार की मात्रा तथा उसके स्वरूप, उत्पादन और बाजारों के पैमाने, खनन कार्य की निपुणता, डैड बर्न्ट मैग्नेसाइट के निर्माण के लिए अपनाई गई प्रक्रिया एवं ईंधन बिल्कुल अलग-अलग है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

घरेलू उद्योग, निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा दायर किए गए निवेदनों की जांच की गई तथा नियमों के संदर्भ में उठाए गए मामलों पर तथा इस मामले पर प्रभाव डालने वाले मुद्दों पर विचार किया गया और इस अधिसूचना में उचित स्थान पर इन पर कार्यवाही की गई है।

प्राधिकारी द्वारा आवश्यक तथ्यों का प्रकटन**(क) हितबद्ध पार्टियों द्वारा की गई टिप्पणियाँ**

घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि:-

- निर्दिष्ट प्राधिकारी ने कच्चे माल की सभी लागतों, उपयोगिताओं, ब्याज इत्यादि तथा एक समुचित लाभ मार्जिन पर भी विचार किया है। डी बी एम की गैर-क्षतिकारक कीमत का निर्धारण करते समय यह उल्लेखनीय है कि घरेलू बिक्री में मूल कीमत के अतिरिक्त इस आधार पर 4 % / 11% की दर से बिक्री कर भी लगता है कि क्या बिक्री राज्य से बाहर की गई थी अथवा राज्य के भीतर। अतः आयातित डी बी एम की पहुँच लागत को डी बी एम की गैर-क्षतिकारक कीमत जमा 11 % बिक्री कर के बराबर होना चाहिए।
- यह भी नोट किया जा सकता है कि हमारे द्वारा दी गई लागत तथा निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा विचार की गई लागत जांच अवधि नामतः, 1998-99 से संबंधित है। 1999-2000 के दौरान सभी निवेशों की कीमतों में वृद्धि हुई है। उदाहरण के लिए, फरनेस तेल की लागत जो कि 31.3.1999 को 5948/-रुपए प्रति कि०ली० थी, वह 31.3.2000 को बढ़कर 12,068/-रुपए प्रति कि०ली० हो गई है। चूँकि 1 टन डी बी एम का उत्पादन करने के लिए 230 लीटर फरनेस तेल की आवश्यकता होती है इसलिए केवल फरनेस तेल की लागत में वृद्धि के कारण ही निविष्टियों की लागत में वृद्धि 1400/-रुपए प्रति टन डी बी एम से अधिक बैठती है। इसी प्रकार, अपरिष्कृत मेग्नेसाइट तथा एच एस डी तेल जैसी अन्य निविष्टियों की लागत में भी वृद्धि हुई है।
- घरेलू उद्योग पहले ही मांग में कमी तथा आयातों से प्रतिस्पर्धा का सामना कर रहा है तथा निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा डी बी एम की गैर-क्षतिकारक कीमतें XXX रु०/ प्रति टन पर निर्धारित करने के प्रस्ताव से उद्योग पर और बुरा प्रभाव पड़ेगा। इसलिए, हम निर्दिष्ट प्राधिकारी को डी बी एम की गैर-क्षतिकारक कीमत का निर्धारण करने में कम से कम 1500/-रुपए प्रति टन जमा 11 % बिक्री कर पर विचार करने का अनुरोध करते हैं।
- इसके अतिरिक्त, दिनांक 25 अप्रैल, 2000 की प्रैस विज्ञप्ति के अनुसार डी बी एम पर सीमाशुल्क 35 % से घटाकर 25 % कर दिया गया है। 94 % तक Mgo वाले डी बी एम पर पाटनरोधी शुल्क का निर्धारण करते समय इस बात को ध्यान में रखा जाए।

आयातकों/उपभोक्ताओं द्वारा प्रस्तुत किए गए विचार

- माननीय सी ई जी ए टी ने अपने नवीनतम निर्णय में 4 % से कम सिलिका वाले 85 - 92 % एम जी को डी बी एम को भी पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से छोड़ दिया है। यह इस बात का पुख्ता सबूत है कि 4 % से कम सिलिका वाले 92 % से अधिक MgO के डी बी एम का भारत में उत्पादन नहीं होता है।
- माननीय सी ई जी ए टी ने यह भी निर्णय दिया है कि पाटनरोधी शुल्क^{*} 85 % से 92 % तक एम जी ओ घटक वाले डी बी एम पर, किन्तु ऐसे डी बी एम को छोड़कर जिसमें भार के रूप में 4 % से कम सिलिका हो^{*} पर लागू होगा। अतः, एसोसिएशन की अपील को इस सीमा तक अनुमति दी गई थी। ऐसा करते हुए सी ई जी ए टी ने यह निवेदन स्वीकार किया है कि 4% से कम सिलिका वाले डी बी एम के आयात से भारतीय डी बी एम विनिर्माता उद्योग को कोई वास्तविक क्षति नहीं पहुँची है और इसलिए चीन से डी बी एम की इस श्रेणी के आयात और भारतीय डी बी एम उद्योग द्वारा उठायी गई क्षति, यदि कोई हो, के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं हो सकता है। अतः इस संबंध में अंतिम निष्कर्ष में संशोधन करते हुए सी ई जी ए टी के 21.2.2000 के आदेश का संदर्भ लिया जाए तथा उस पर कार्यवाई की जाए।
- इसके अतिरिक्त संदर्भाधीन घरेलू डी बी एम चीन से आयातित डी बी एम की गुणवत्ता के समान उत्पाद नहीं है। भौतिक तथा रासायनिक लक्षणों में अंतर के कारण आयातित डी बी एम को घरेलू डी बी एम के साथ मुक्त रूप से परस्पर बदला नहीं जा सकता है। यह इस बात पर सीमा लगाता है कि क्या तथा किस सीमा तक घरेलू डी बी एम को इस्पात एवं अन्य उद्योगों में विशेष उपयोगों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इसलिए यह अनुरोध किया जाता है कि डी बी एम के आयात पर लगाने के लिए अनुसंधित पाटनरोधी शुल्क को जल्द से जल्द संशोधित किया जाए।

(ख) प्राधिकारी द्वारा आवश्यक तथ्यों के प्रकटन पर प्राप्त टिप्पणियों की जांच

- वर्तमान मामले में जांच की अवधि वित्तीय वर्ष 1998-99 है। जांच अवधि के पश्चात् होने वाली घटना का इस मामले पर कोई प्रभाव नहीं होगा।
- निदेशालय द्वारा परिकल्पित गैर-क्षतिकारक कीमत कारखानागत स्तर पर है तथा कारखानागत स्तर पर एक तुलना की गयी है, इसलिए बिक्री कर के लिए 11 % की अनुमति देने का कोई प्रश्न नहीं उठता।
- विचाराधीन उत्पाद के संबंध में प्राधिकारी ने माननीय सी ई जी ए टी द्वारा दिए गए निर्णय का सम्मान किया है।

ड. विचाराधीन उत्पाद, घरेलू उद्योग एवं समान वस्तुएं

4. विचाराधीन उत्पाद, घरेलू उद्योग और समान वस्तु के संबंध में पहले अधिसूचित अंतिम निष्कर्ष यथावत रहेंगे।

विचाराधीन उत्पाद के संबंध में सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की धारा 9(ग) के अंतर्गत न्यायाधिकरण द्वारा पारित माननीय सी ई जी ए टी के दिनांक 21 फरवरी, 2000 के आदेश सं. 32/2000-ए डी के अनुसार विचाराधीन उत्पाद "85 % से 92 % तक Mgo घटक वाला डेड बर्न्ट मैग्नीसाइट (डी बी एम), होगा, लेकिन भार में 4 % से कम सिलिका वाला ऐसा डी बी एम इसमें शामिल नहीं होगा ।"

च. पाटन

सामान्य मूल्य

5. प्राधिकारी ने धारा 9(क) (1)ग के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ ज्ञात निर्यातकों को निर्यातक प्रश्नावली भेजी; तथापि किसी भी निर्यातक ने प्राधिकारी को न तो कोई जबाब दिया है और न ही कोई सूचना प्रस्तुत की । इसलिए, प्राधिकारी यह मानते हैं कि संबद्ध देश के किसी भी निर्यातक ने प्राधिकारी के साथ सहयोग नहीं किया है जैसा कि नियमों के तहत अपेक्षित है । प्राधिकारी का यह भी मानना है कि चीन जनवादी गणराज्य में डेड बर्न्ट मैग्नीसाइट के सामान्य मूल्य को प्रमाणित करने की प्राथमिक जिम्मेवारी उन निर्यातकों/उत्पादकों की बनती है, जो प्राधिकारी को सहयोग देने में विफल रहे हैं ।

6. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि समीक्षाधीन अवधि के दौरान चीन जनवादी गणराज्य मूल के अथवा वहां से निर्यातित डेड बर्न्ट मैग्नीसाइट का भारत में आयात हुआ है । तथापि डेड बर्न्ट मैग्नीसाइट के आयातकों ने जांच की अवधि के दौरान चीन जनवादी गणराज्य से किए गए डेड बर्न्ट मैग्नीसाइट के आयात पर होने वाले वास्तविक खर्च का ब्यौरा यह दावा करते हुए नहीं दिया है कि उन्होंने जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु का आयात नहीं किया है, इसलिए कोई सूचना उपलब्ध नहीं है ।

7. भारतीय मैग्नीसाइट एसोसिएशन ने संदर्भाधीन उत्पाद के सामान्य मूल्य के संबंध में सूचना प्रस्तुत की है। कंपनी ने चीन जनवादी गणराज्य में डेड बर्न्ट मैग्नीसाइट के सामान्य मूल्य का दावा भारत में सामान्य रूप से प्रचलित निविष्टि लागत की कीमत के आधार पर किया है । चीन के निर्यातकों/उत्पादकों के असहयोग को ध्यान में रखते हुए सामान्य मूल्य के बारे में सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर विचार किया गया है । सामान्य मूल्य का निर्धारण करने हेतु कच्चा माल, ऊर्जा संबंधी लागत तथा अन्य विनिर्माण एवं बिक्री संबंधी लागत जैसी अन्य निविष्टियों की उत्पादन लागत के लिए घरेलू उद्योग में प्रचलित वास्तविक लागत एवं कीमत को अपनाया गया है ।

8. चूँकि संबद्ध देश के किसी भी निर्यातक ने प्राधिकारी का जबाब नहीं दिया है इसलिए प्राधिकारी ने अलग-अलग निर्यातकों के लिए अलग-अलग पाटन मार्जिन का निर्धारण नहीं किया है । सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के बीच निष्पक्ष तुलना करने और सामान्य मूल्य की तुलना भारत औसत निर्यात कीमत से करने के उद्देश्य से प्राधिकारी ने उपलब्ध सूचना को हिसाब में लिया है क्योंकि किसी भी पक्ष द्वारा पर्याप्त साक्ष्य के साथ कोई वास्तविक सूचना प्रस्तुत नहीं की गई थी । इस तुलना को कारखाना द्वार के आधार का समझा गया है । यह तुलना निर्यात कीमत के ****% के पाटन मार्जिन को दर्शाती है ।

छ. क्षति एवं कारणात्मक संबंध

9. घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग को निम्न कीमत पर पाटित किए गए विदेशी माल से लगातार भय था। तथापि चीन जनवादी गणराज्य के संबंध में आयात की मात्रा जो वर्ष 1995-96 के दौरान 3009 मी.टन थी, जांच की अवधि के दौरान घट कर 2241.00 मी.टन रह गयी है। संबद्ध सामग्री का कुल आयात भी वर्ष 1995-96 में 3798.204 मी.टन, वर्ष 1996-97 में 2323.711 मी.टन वर्ष 1997-98 में 4001 मी.टन से घट कर वर्ष 1998-99 में 2766.90 मी.टन रह गया है। यह पाया गया है कि जांच की अवधि के दौरान चीन जनवादी गणराज्य से भारतीय बाजार में किया गया आयात उचित बिक्री कीमत से काफी अधिक कीमत पर किया गया। इसलिए घरेलू उद्योग का यह दावा सत्य नहीं है कि चीन जनवादी गणराज्य से होने वाला आयात घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचा रहा है। इसलिए उचित बिक्री कीमत तथा घरेलू उद्योग द्वारा की गई शुद्ध बिक्री वसूली के बीच के अंतर के लिए पाटित आयात को आरोप नहीं लगाया जा सकता है।

10. आयात की मात्रा में कमी इस पाटनरोधी शुल्क के लगाए जाने का परिणाम हो सकता है। पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना केवल तभी अपेक्षित है यदि उत्पाद का निर्यात पाटित कीमत पर किया जा रहा हो और/अथवा उत्पाद का निर्यात उस कीमत पर किया जा रहा हो जो घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचाने वाली हो।

11. घरेलू उद्योग द्वारा डेड बर्न्ट मैग्नीसाइट की बिक्री से वसूली जाने वाली वर्तमान बिक्री कीमत इस बात का निर्णय लेने के लिए संबंधित तथ्य नहीं है कि पहले सिफारिश किये गये पाटनरोधी शुल्क को जारी रखा जाए या नहीं जांच की अवधि के संदर्भ में घरेलू उद्योग की उचित बिक्री कीमत तथा चीन जनवादी गणराज्य से होने वाले आयात का पहुँच मूल्य (जिसमें लागू प्रचलित सीमाशुल्क शामिल हैं तथा पाटनरोधी शुल्क शामिल नहीं हैं) की तुलना इस बात का निर्णय लेने के लिए की जानी है कि पहले सिफारिश किए गए पाटनरोधी शुल्क को जारी रखना अपेक्षित है अथवा नहीं।

12. घरेलू उद्योग ने यह भी स्वीकार किया है कि मांग में कमी का कारण इस्पात उद्योग की प्रौद्योगिकी का उन्नत होना है। मांग में कमी होने का अन्य कारण इस्पात उद्योग में मंदी है।

13. घरेलू उद्योग द्वारा यह प्रमाणित नहीं किया गया है कि अक्षतिकारक कीमत से कम कीमत वसूली का कारण चीन जनवादी गणराज्य से होने वाला पाटित आयात है।

ज. पहुँच मूल्य

14. चीन जनवादी गणराज्य से होने वाले आयातों के पहुँच मूल्य की गणना जांच की अवधि के दौरान हुए आयातों से संबंधित डी जी सी आई एंड एस, कलकत्ता से प्राप्त सूचना के आधार पर उसमें सीमाशुल्क के प्रचलित स्तर तथा एक प्रतिशत उतराई प्रभार एवं दो प्रतिशत हैंडलिंग प्रभार जोड़ने के बाद की गई है। चीन जनवादी गणराज्य से होने वाले आयात पर लागू पाटनरोधी शुल्क को पहुँच मूल्य में शामिल नहीं किया गया है।

झ. अन्तिम निष्कर्ष

15. पूर्वोक्त बातों पर विचार करने के बाद प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:-

- चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित डेड बर्न्ट मैग्नेसाईट का भारत को निर्यात इसके सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर किया गया है;
- जांच अवधि के दौरान चीन जनवादी गणराज्य से होने वाले डेड बर्न्ट मैग्नेसाईट के आयात से घरेलू उद्योग को कोई वास्तविक क्षति नहीं हुई है ;
- चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित डेड बर्न्ट मैग्नेसाईट के निर्यात से घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है ।

16. इसलिए प्राधिकारी यह उचित समझते हैं कि भारतीय सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 के अध्याय आई टी सी (एच एस) वर्गीकरण 2519.9004 के तहत आने वाले चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित डेड बर्न्ट मैग्नेसाईट के आयात पर लगने वाले पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर दिया जाए ।

17. उपरोक्त बातों के तहत दिनांक 12 नवम्बर, 1996 की अधिसूचना सं० 7/2/94/एडीडी के द्वारा अधिसूचित किया गया अन्तिम निष्कर्ष अपरिवर्तित है ।

18. उपरोक्त अधिनियम के अनुसार, इस आदेश के विरुद्ध कोई अपील सीमाशुल्क, उत्पाद-शुल्क तथा स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय न्यायाधिकरण में की जा सकेगी ।

रति विनय झा, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 14th June, 2000

FINAL FINDINGS

Subject: Review of Anti-dumping duties concerning imports of Dead Burnt Magnesite (DBM) originating in or exported from People's Republic of China - final findings.

7/2/94/ADD - Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof:

A. PROCEDURE

1. The Procedure described below has been followed:
 - i. The Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) issued a public notice vide Notification no. 7/2/94/ADD dated the 30th June, 1999, initiating review of definitive Anti Dumping Duty recommended on imports of Dead Burnt Magnesite originating in or exported from Peoples Republic of China vide notification no. 7/2/94-ADD dated 12th Nov. 1996.
 - ii. The investigations concluded by the Authority vide Notification no. 197 dated 12th Nov. 1996 have been referred to as "the previous investigations".

- iii. The Authority issued a public notice dated 30th June, 1999 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating review of anti dumping duty concerning imports of Dead Burnt Magnesite, classified under custom -heading 2519.90 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975 and under No.2519.90.04 of ITC(Based on Harmonized Commodity Description & Coding) originating in or exported from Peoples Republic of China (also referred to as the subject country hereinafter);
- iv. The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known exporters and industry associations (whose details were made available by the petitioners in the previous investigations) and gave them an opportunity to make their views known in writing in accordance with Rule 6(2).
- v. The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known importers and consumers of Dead Burnt Magnesite in India (whose details were made available by Magnesite Association of India in the previous investigations) and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of the letter.
- vi. Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) to arrange details of imports of Dead Burnt Magnesite in India.
- vii. The Authority sent questionnaire, to elicit relevant information, to the known exporter from Peoples Republic of China, as mentioned below in accordance with the rule 6(4).

M/s China National Metals & Minerals, China
M/s Zhuhai Metals & Minerals Co. Ltd., China
M/s China Metallurgical Import & Export Corp. China
M/s Dalian Metals & Minerals, China
M/s Otavi Otavi Mining Act., China
M/s Sima Resources GmbH., Germany (Agent & Exporters)

- viii. The Embassy of Peoples Republic of China in New Delhi was informed about the initiation of the review in accordance with rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter and questionnaire sent to the exporters was also sent to the Embassy, alongwith a list of known exporters/producers. None of the exporter/producer, however, filed any response.
- ix. A questionnaire was sent to the known importers and/or consumers of Dead Burnt Magnesite in India calling for necessary information in accordance with rule 6(4).
1. M/s Steel Authority of India
 2. M/s Bhilai Steel Plant, Madhya Pradesh
 3. M/s Rourkela Steel Plant, Orissa
 4. M/s Vizag Steel Plant, Andhra Pradesh
 5. M/s Tata Iron & Steel Co. Ltd., Bihar
 6. M/s Indian Iron & Steel Co. Ltd., West Bengal
 7. M/s Steel Authority of India, West Bengal
 8. M/s Bharat Refractories Ltd., Bihar
 9. M/s Burn Standard Co. Ltd., Calcutta
 10. M/s Orissa Cement Ltd., Orissa
 11. M/s Orissa Industries Ltd., Orissa
 12. M/s Tata Refractories Ltd., Salam
 13. M/s Marathwada Refractories Ltd., Aurangabad
 14. M/s Valley Refractories Ltd., Dhanbad
 15. M/s Indian Refractory Machines Association, Calcutta

The response was, however, filed by the following importers of Dead Burnt Magnesite

M/s Tata Refractories Ltd., Salam
M/s Indian Refractory Machines Association, Calcutta
M/s Orissa Cement Ltd., Orissa
M/s Orissa Industries Ltd., Orissa
M/s Bharat Refractories Ltd., Bihar
M/s Burn Standard Co. Ltd., Calcutta

- x. A questionnaire was sent to Magnesite Association of India calling for necessary information. Magnesite Association of India filed its response;
- xi. The Authority held a public hearing on 07.10.99 to hear the views orally, which was attended by Magnesite Association of India (domestic industry), M/s OCL India Ltd., M/s Burn Standard Co. Ltd., M/s Bharat Refractories Ltd. and Indian Refractories Makers Association (Importers). The parties attending the public hearing were requested to file written submissions of the views expressed orally.
- xii. The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file, maintained and kept open for inspection by an interested party.
- xiii. Investigation was carried for the period starting from 1st April, 1998 to 31st March, 1999.
- xiv. In accordance with rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to all known interested parties and comments received, if any, on the same have also been duly considered in these findings.

B. VIEWS OF DOMESTIC INDUSTRY(MAGNESITE ASSOCIATION OF INDIA)

- 2. The domestic industry Magnesite Association of India has made the following submissions:-
 - (i) China does not have any natural comparative advantage over India in respect of the cost of production. Since the Dead Burnt Magnesite of reference grade of Indian origin and that of Chinese origin are like articles and since the cost factors for the two countries more or less balance each other, it can be reasonably informed that the cost of production of Dead Burnt Magnesite reference grade in China is not lower than that in India.

- (ii) Calcining plants in China are 400-1000 KM away from the Chinese Sea ports. The cost of inland transportation, therefore, becomes a major cost item for Chinese FOB export prices.
- (iii) Besides the reference grade of Dead Burnt Magnesite , i.e. upto 92% MgO, two other products are also being dumped:-
 - ◆ Dead Burnt Magnesite upto 93% & 94% MgO and
 - ◆ Brick Grog MgO 90-92%

No anti dumping duty was imposed on Dead Burnt Magnesite MgO 93% and 94%. The landed cost of this grade together with duty etc. is cheaper than Reference grade of Dead Burnt Magnesite.

Comparing the selling price of Reference grade of Dead Burnt Magnesite and imported Dead Burnt Magnesite Reference grade and upto 94% MgO, it may be appreciated that there is fair degree of inter-changeability between marginal qualities on either side of bench mark of 92% MgO. The domestic industry is seriously concerned about this situation. Considering the interest of the domestic industry which produces upto Dead Burnt Magnesite 92% MgO quality and even marginally higher qualities, and the relative inter-changibility of such indigenous production by imported qualities of upto 94% MgO, it is submitted that the bench mark in imposition of final anti dumping duty may be raised from 92% to 94% MgO quality Dead Burnt Magnesite imports from China, to provide a fair degree of protection to the domestic industry.

- (iv) To avoid imposition of anti dumping duty the Chinese exporters have introduced a new nomenclature, i.e. Magnesia Brick Grog. This product again is equal to Reference grade Dead Burnt Magnesite or even marginally higher quality and is freely interchangeable with indigenous Reference Grade Dead Burnt

Magnesite. Declaring it as Brick Grog, firstly it attracts a lower rate of customs duty of 25%(Vs. Dead Burnt Magnesite 40%) and secondly escapes anti dumping duty.

- (v) The major constituent factors of cost of production of Dead Burnt Magnesite are raw material cost, energy, fuel cost, salaries and wages, cost of capital and royalty on mineral etc.. Most of these items are essentially in the nature of administered prices administered by the State/Central Govt. over which the Dead Burnt Magnesite producers have no control. The trend of increase in the above factors has substantially increased the cost of production in India. FOB prices of imported Dead Burnt Magnesite has particularly remained the same around 105 to 110 US \$ per tonne for the past 3 years whereas the cost of production of Dead Burnt Magnesite in China would have substantially gone up as in India.
- (vi) The cost of production of subject goods in China, is not available. Even if it were available, that data would reflect subsidised cost only and not normal cost in a free market economy.

C. **INJURY**

- (i) Capacity utilisation of domestic industry has declined to 45.58 % in 1998-99 as against 46.53% in 1997-98 and 46.05% in 1996-97;
- (ii) Manpower of the domestic industry has been reduced substantially over the years from 7500 to 4000. Moreover the domestic industry has to spend around Rs. 75000/- per worker as disengagement cost;
- (iii) The loss of domestic industry has increased substantially as compared to previous years. The profitability of domestic industry has declined to Rs. (-) 540.52 lacs in 1998-99 as against Rs. (-) 385.27 lacs in 1997-98 and Rs.170.61 lacs in 1996-97.

- (iv) The closing stock of the subject material has increased from 12204 MT in 1997-98 to 14008 MT in the financial year 1998-99;
- (v) Market share of the domestic industry has increased to 97.25% in 1998-99 as against 74.82% in 1997-98 and 71.53% in 1996-97;
- (vi) Total imports of subject material have declined to 2766.90 MT during 1998-99 as against 4001.19 MT during 1997-98.

D. VIEWS OF EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES

3. None of the exporter/producer from China PR have responded to the Authority and offered any comment.

The above mentioned importers/users have responded to the Authority and offered their comments:

- i) M/s Tata Refractories Ltd. and M/s Orissa Cement Ltd., have claimed that during POI they have not imported subject material.
- ii) The domestic Dead Burnt Magnesite is not a like article to the imported Dead Burnt Magnesite from China PR because of different physical and chemical characteristics and also difficulties in application.
- iii) The causal factor for the decline in the domestic industry is to be found in rapid technological changes in the steel industry since the mid 1980 and the uneconomic scale of domestic production.

- iv) India cannot be considered a reference country for the determination of normal value because the nature and extent of deposit, scale of production and markets, efficiency in mining operation, process and fuel adopted for manufacture of Dead Burnt Magnesite in India and China are quite different.

EXAMINATION BY AUTHORITY

The submissions made by the domestic industry, exporters, importers and other interested parties have been examined and issues raised with reference to the Rules and having a bearing on this case have been considered and dealt with at appropriate place in this notification.

Disclosure of essential facts made by the Authority

(a) Comments made by interested parties

The domestic industry has argued that:-

- ◆ The Designated Authority have considered all the costs of Raw Materials, utilities, interest etc. and also a reasonable profit margin, while fixing the non-injurious price for DBM it may be noted that, in addition to the Basic price, the Domestic Sales attract Sales Tax at 4%/11% depending on whether the sale is outside the State or within the State. Hence the Landed Cost of the Imported DBM is to be matched to the non-injurious price of DBM plus 11% towards Sales Tax.
- ◆ It may also be noted that the costs submitted by us and considered by the Designated Authority pertain to the period of investigation, namely, 1998-99. The prices of all inputs have increased during 1999-2000. For instance, the cost of Furnace Oil which was at Rs.5948/- per K.L., as on 31.3.1999 has increased to Rs.12,068/- per K.L. as on 31.3.2000. As 230 Litres of Furnace Oil is required for producing one ton of DBM. Hence the increase in cost of inputs on account of increase of cost of Furnace Oil alone works out to more than Rs.1400/- per ton of DBM.

Similarly, there are increased in the cost of other inputs also, like raw Magnesite and utilities like HSD Oil etc.

- ◆ The domestic industry is already suffering from shrinkage in demand and competition from Imports and the proposal of the Designated Authority to fix the non-injurious price of DBM at Rs.****/- per ton will further jeopardise the industry. Hence we would request the Designated Authority to kindly consider an increase of at least Rs.1500/- per ton plus 11% towards Sales tax, in fixing the non-injurious price of DBM.
- ◆ Further, as per press note dated 25th April, 2000, the Customs Duty on DBM is reduced from 35% to 25%. This factor may kindly be taken into account while fixing the Anti-Dumping Duty on DBM with MgO upto 94%.

Comments made by importers/consumers

- ◆ The Hon'ble CEGAT in its latest ruling has excluded even DBM of 85-92% MgO with less than 4% silica from the operation of Anti-Dumping Duty. This is ample evidence that DBM of MgO above 92% with Silica below 4% is not produced in India.
- ◆ The Hon'ble CEGAT has further held that levy of Anti-Dumping Duty shall be on "DBM having MgO content from 85% to 92%; but excluding such DBM having a silica content of less than 4% by weight". The appeal of the Association was therefore allowed to this extent. In doing so CEGAT has accepted the submission that import of DBM content less than 4% silica causes no material injury to the Indian DBM manufacturing industry and there cannot be a causal link between the import of that grade DBM from China and the injury if any experienced by the Indian DBM industry. It may therefore be requested to take a note of and to act upon the order dated 21.2.2000 of CEGAT in modifying the Final Findings in this respect.

- ♦ Further the domestic DBM in question is not a like product to the quality of DBM imported from China. The imported DBM cannot be freely interchanged or substituted by the domestic DBM because of the differences in physical and chemical characteristics. This imposes limitations on whether and the extent to which domestic DBM can be used for specific applications in steel and other industries. It is therefore requested that the Anti-Dumping Duty recommended for imposition on import of DBM should be modified as soon as possible.

(b) Examination of comments on disclosure of essential facts by the Authority

- ♦ The present case period of investigation is financial year 1998-99. Any event occurs after period of investigation has no bearing on the case.
- ♦ Non-injurious price calculated by the Directorate is at ex-factory level and a comparison is made at ex-factor level, hence, there is no question of allowing 11% towards sales tax.
- ♦ Regarding product under consideration, Authority has respected the ruling issued by Hon'ble CEGAT.

E. PRODUCT UNDER CONSIDERATION, DOMESTIC INDUSTRY AND LIKE ARTICLES

4. The final findings notified earlier with regard to the domestic industry and Like Articles remain unchanged.

Regarding product under consideration as per Hon'ble CGEAT Order No.32/2000-AD dated 21st February, 2000 passed by the Tribunal under Section 9(C) of Customs Tariff Act, 1975 the product under consideration shall be "Dead Burnt Magnesite (DBM) having MgO content ranging from 85% to 92%; but excluding such DBM having a silica content of less than 4% by weight."

F DUMPING**Normal Value**

5. The Authority sent questionnaire to the known exporters for the purpose of determination of normal value in accordance with Section 9A(1) c. However, none of the exporters responded to the Authority or furnished any information. The Authority, therefore, holds that none of the exporters from the subject country have co-operated with the Authority as envisaged under the Rules. The Authority also holds that the primary responsibility to establish normal value of Dead Burnt Magnesite in China PR rests with the exporters/ producers, who have failed to co-operate with the Authority.
6. The Authority notes that there were imports of Dead Burnt Magnesite in India originating in or exported from Peoples Republic of China during the period of review. However, the importers of Dead Burnt Magnesite during the period of review have not provided the details of actual expenditure incurred on import of Dead Burnt Magnesite from Peoples Republic of China, claiming that they have not imported subject material during the period of investigation, and hence no information is available.
7. Magnesite Association of India have furnished information with regard to normal value of the product under reference. The company has claimed normal value of Dead Burnt Magnesite in Peoples Republic of China on the basis of the prices of input cost as are generally prevalent in India. In view of the non-co-operation from the exporters/producers from China, the normal value has been considered on the basis of best available information. For the cost of production of other inputs like raw material, energy cost and other manufacturing and selling cost, the actual cost and prices prevailing in the domestic industry have been adopted for evaluating the normal value.

8. Since none of the exporters from the subject country have responded to the Authority, the Authority has not determined separate dumping margins for individual exporters. The Authority has taken into account the information, as none of the party has furnished any factual information with sufficient evidence, for the purpose of fair comparison between the normal value and the export price and compare normal value with weighted average export price. The comparison has been considered as on ex-works basis. The comparison shows dumping margin of ****% of export price.

G. INJURY AND CAUSAL LINK

9. The contention of domestic industry that there were constant threats to domestic industry from foreign low priced dumped goods. However, the volumes of imports which were 3009 MT during 1995-96 have come down to 2241.00 MT during period of investigation in respect of China PR. The total imports of subject material has also come down from 3798.204 Mt in 1995-96, 2323.711 MT in 1996-97, 4001 MT in 1997-98 to 2766.90 MT in 1998-99. It is found that imports from China PR entered the Indian market at price significantly higher than the non-injurious price during period of investigation. Hence the claim by the domestic industry that imports from China PR are causing injury to domestic industry is not true. Any difference between the non-injurious price and the net sales realisation by the domestic industry, therefore, cannot be attributed to the dumped imports.
10. Decline in volume of imports may be a result of the very imposition of anti-dumping duty. The anti-dumping duty is required to be imposed only if the product is being exported at dumped price and/or the product is being exported at such price that it would cause injury to the domestic industry

11. The current selling price of Dead Burnt Magnesite by domestic industry is not relevant to decide whether the anti-dumping duty recommended earlier is required to be continued. The non-injurious price of the domestic industry and the landed value of imports from China PR (including prevailing custom duties and excluding anti-dumping duties in force) with reference to period of investigation are to be compared to decide whether anti-dumping duty recommended earlier is required to be continued or not.
12. Domestic industry has also admitted that downfall in demand is due to upgradation of technology in the steel industry. The other factor for decline in demand is recession in steel industry.
13. Domestic industry has not established that the lower price realisation than the non-injurious price is due to dumped imports from China PR.

H. **LANDED VALUE:**

14. The landed value of imports from China PR has been calculated based on the imports information available from the DGCI&S, Calcutta, during POI, after adding the prevailing level of customs duties and one percent landing and two percent handling charges. The anti dumping duty in force on imports from China PR has not been included in the landed values.

I. FINAL FINDINGS

15. The Authority concludes, after considering the foregoing, that:
- ◆ Dead Burnt Magnesite originating in or exported from Peoples Republic of China has been exported to India below its normal value;
 - ◆ the domestic industry has not suffered any material injury from imports of Dead Burnt Magnesite from China PR during the period of investigation;
 - ◆ No injury has been caused to domestic industry by the exports of Dead Burnt Magnesite originating in or exported from Peoples Republic of China.
16. The Authority, therefore, considered appropriate to discontinue the anti dumping duty imposed on imports of Dead Burnt Magnesite originating in or exported from China PR, falling under chapter ITC (HS) classification 2519.9004 of Indian Customs Tariff Act, 1975.
17. Subject to above, the final findings notified vide notification no. 7/2/94/ADD dated the 12th Nov. 1996 are unaltered.
18. An appeal against this order shall lie to the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal in accordance with the Act supra.

RATHI VINAY JHA, Designated Authority

